हिन्दी विभाग
डॉ० कविता कुमारी सिंह

B.A. Part III

विषय- ईदगाह प्रेमचन्द की एक विशिष्ट कहानी है

ईदगाह कहानी सम्राट मुंशी प्रेम
की एक विशिष्ट कहानी है, जिसे उन्होंने दो उद्दे
को लेकर लिखा है। एक मे त्याग, सदभाव, प्रेम
आदि मानवीय गुणों को सर्वोपरिता प्रमाणित कर
लिए और दूसरा यह बताने के लिए कि धन
में पलनेवाले बच्चे अवसर खिलाड़ी होते हैं
अभाव में जीवन व्यतीत करनेवाले बालकों में वि
वेक अधिक होती है।

कहानी-कला की दृष्टि से ईदगाह क
दी साहित्य के सभी मापदण्डों पर खरी
से हम निम्नलिखित बिन्दुओं पर स्पष्ट क

ईद का त्योहार है। अमीर-गरीब
हैं, बच्चे विशेष रूप से उत्साहित हैं
बच्चों को ईदगाह जाने के लिए उ

Appointments

8.00 जेबों में पैसा खनखनाते हुए ईदगाह जा रहे हैं। ये
9.00 सभी धनी बच्चे हैं।
इन सभी बच्चों में एक बच्चा हामिद है जो
10.00 गरीब है, परन्तु वह संतुष्ट और खुश है। हामीद पाँच
छह वर्ष का है। वह एक अनाथ बालक है। उस
11.00 पालन पोषण उसकी बूढ़ी दादी अमीना करती है
ईद का त्योहार मनाने के लिए हामीद के पास अ
12.00 पैसे नहीं थे, फिर भी वह संतुष्ट है, आशावान है
वह इस आशा के साथ जीता है कि उसके पिता
कमाने गये हैं और उसकी माँ भगवान के घर से
अच्छी चीजें लाने गयी हैं। माता-पिता के वापस
लौटने पर उसके पास भी पर्याप्त धन होगा औ
वह अपनी समस्त इच्छाओं की पूर्ति कर सकेगा
अपनी उदास दादी को तसल्ली देकर हामीद
बच्चों के साथ ईदगाह के लिए प्रस्थान
भी बच्चे खुशी के साथ शहर पहुँचते हैं। शहर
-बड़े बाग, आलीशान मकान, बंगले, अदाल
बच्चों को आकर्षित करता है। सभी ईद
अदा कर एक दूसरे से गले मिलते

इसके बाद सभी बच्चे खिलौने और मिठाइयों की-दुकान पर पहुँचते हैं। कुछ लड़के मिठाइयाँ खरीदते हैं कुछ अपनी पसंद के खिलौने खरीदते हैं।

हामीद, के पास तीन पैसे थे जिससे न तो मिठाइयाँ खरीद सकता था और न ही कोई खिलौना। उसे सभी लड़कों के उपहास का पात्र भी बनना पड़ता परन्तु हामीद आगे बढ़कर सोचता है कि दादी पास चिमटा नहीं है इसलिए रोटियाँ सेकते समय-दादी का हाथ अकसर जल जाता है। हामीद उस पैसे से दादी के लिए चिमटा खरीद लेता है, उस इसके लिए मजाक उड़ाते हैं लेकिन चिमटे की उ उन्हें इस तरह समझाता है कि सभी बच्चे हामी तारीफ करने लगते हैं।

घर वापस आते-आते सभी बच्चों टूट जाते हैं लेकिन हामीद का चिमटा सही-है। वह प्रसन्नता के साथ चिमटा अपनी अमीना को देता है। जब दादी को पता हामीद ने चिमटा क्यों खरीदा तो वह खुशी पर आश्चर्यचकित हो जाती है

अपनी दरिद्रता को भूल कर आशीर्वाद देती है। दादी को इस बात पर गर्व है कि वह एक त्यागी, स्नेही पोते की दादी है जिसके पास विवेक और बुद्धिरूप धन का असीम भंडार है।

उद्देश्य की दृष्टिकोण से ईदगाह प्रेमचन्द की सफल कहानी है। शहरी और ग्रामीण जीवन का अन्तर, धनी और गरीब लोगों के रहन-सहन और उनके विचारों का अंतर प्रस्तुत करना कहानीकार का मु उद्देश्य था जिसे उन्होंने बखूबी से प्रस्तुत किया।

प्रेमचन्द ने इस कहानी में बाल मनोविज्ञान को पष्ट करने का प्रयास किया है। उन्होंने यह साबित प्रयास किया है कि आशा, बुद्धि, विवेक और कल्पन उपयोग कर प्रतिकूल परिस्थितियों को भी अनुकू या जा सकता है। आशावान व्यक्ति के लिए कु ~~संभव~~ असंभव नहीं है। हामिद गरीब है, लेकि न और विवेकी है। वह मिठाई और खिलौना चिमटा खरीदकर भी अपने अन्य मित्रों से है, क्योंकि वह ईद की खुशी अपनी दादी चाहता है। वह दूसरों की खुशी में ही